गहरी भूमिकाः संयुक्त राज्य अमेरिका और पश्चिम एशिया संघर्ष

द हिन्दू

पेपर- II (अन्तर्राष्ट्रीय संबंध)

इजराइल में एक उन्नत मिसाइल-रोधी प्रणाली तैनात करने और इसे संचालित करने के लिए सैनिकों को वहां भेजने का बाइडेन प्रशासन का फैसला इस बात का ताजा संकेत है कि संयुक्त राज्य अमेरिका पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष में शामिल हो रहा है। हमास द्वारा 7 अक्टूबर को इजराइल पर हमले के बाद जब से इस इलाके में ताजा युद्ध छिड़ा है, संयुक्त राज्य अमेरिका ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि वह क्षेत्रीय युद्ध नहीं चाहता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दोहरा रूख अख्तियार किया – एक तरफ जहां गाजा के खिलाफ युद्ध में इजराइल को खुली छूट दिया, वहीं दूसरी तरफ युद्ध को बढ़ने से रोकने के लिए अमेरिका के राजनयिक व सैन्य संसाधनों को झोंका। जब इजराइल ने नरसंहार के आरोपों का सामना करते हुए गाजा के खिलाफ एक विनाशकारी व असंगत युद्ध छेड़ा, तो बाइडेन ने अमेरिकी गठबंधन को सलामत रखने के लिए विदेश मंत्री एंटनी जे. ब्लिंकन को कई बार इस इलाके में भेजा। अमेरिका ने जहां यमन के हौथियों जिन्होंने ''इजराइल के खिलाफ युद्ध का एलान किया'' और लाल सागर में वाणिज्यिक जहाजों पर हमला किया के खिलाफ हवाई हमले का अभियान शुरू किया और इराक एवं सीरिया में शिया मिलिशिया, हशद अल-शबी के खिलाफ भी हमले किए, वहीं विदेश मंत्री ब्लिंकन ने अमेरिकी-अरब गठबंधन को एकजुट रखा। लेकिन बाइडेन ने उस इजराइल पर सार्थक दबाव नहीं बनाया, जिस पर अब संयुक्त राष्ट्र की जांच में गाजा में युद्ध अपराध और मानवता के खिलाफ अपराध करने का आरोप लगाया गया है। ब्राउन यूनिवर्सिटी की युद्ध की लागत परियोजना का कहना है कि बाइडेन प्रशासन ने अक्टूबर 2023 से इजराइल को 17.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर की सैन्य सहायता भेजी है। जब इजराइल ने दमिश्क में ईरानी दूतावास पर बमबारी करके युद्ध को ईरान के दरवाजे पर पहुंचाया या जब उसने लेबनान पर आक्रमण शुरू किया, तो वाशिंगटन ने कुछ नहीं किया।

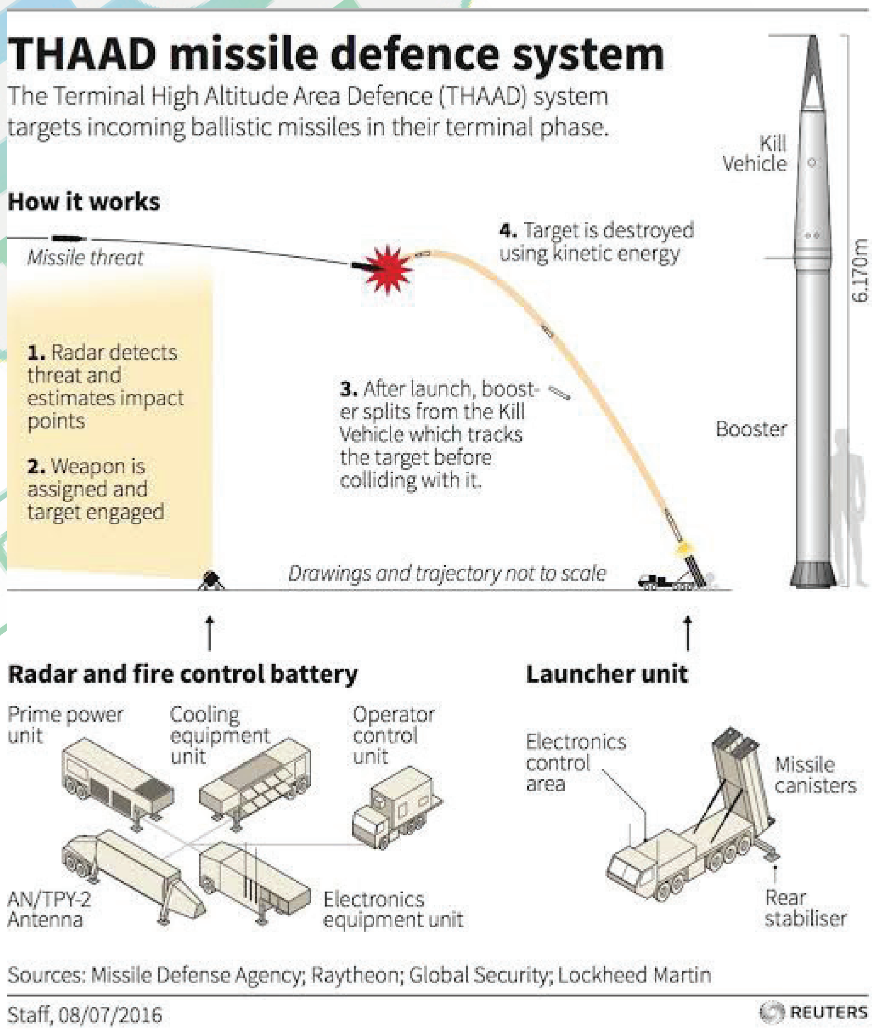

टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस (टीएचएएडी) प्रणाली को तैनात करने का अमेरिका का फैसला भी उसके सहयोगी की नाजुक सुरक्षा स्थिति की ओर इशारा करता है। कुल 12 महीने के युद्ध के बाद, इजराइल अभी भी अपने मकसद को पूरा नहीं कर पाया है। हमास अब भी इजराइल पर रॉकेट दाग रहा है। इजराइल के लेबनान पर हमले के बाद हिजबुल्लाह ने रॉकेट व ड्रोन से हमले तेज कर दिए हैं। रविवार को हिजबुल्लाह के एक ड्रोन ने एक इजराइली सैन्य अड्डे पर हमला किया, जिसमें चार सैनिक मारे गए। एक अक्टूबर को ईरान ने इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइलों से बड़ा हमला किया था। जहां 200 ईरानी मिसाइलों में से अधिकांश को इज.राइली और अमेरिकी प्रणालियों द्वारा रोक लिया गया, वहीं दर्जनों मिसाइलों ने कम से कम दो इजराइली हवाई अड्डों को निशाना बनाया। जवाबी कार्रवाई की ईरान की धमकियों के बीच जब इजराइल ईरान के खिलाफ अपनी प्रतिक्रिया की तैयारी कर रहा है, ऐसे में अमेरिका को अपने सहयोगी की सुरक्षा को मजबूत करना जरूरी लगा है। यह कदम इस तर्क को भी रेखांकित करता है कि इजराइल सुरक्षा और रक्षा के लिए अमेरिका पर अत्यधिक निर्भर है, जो वाशिंगटन को तेल अवीव पर पर्याप्त बढ़त देता है। कुछ अजीब वजहों से, बाइडेन प्रशासन ने अब तक उस बढ़त का इस्तेमाल करने से इनकार किया है जबकि इजराइल गाजा, पश्चिमी किनारे, सीरिया और लेबनान में दुष्टता पर उतारू है। जब तक कि वाशिंगटन अपने निकटतम सहयोगी पर लगाम नहीं लगाता, तनाव में वृद्धि यह चक्र अमेरिका को इस संघर्ष में और गहराई तक खींच सकता है जिसके सभी पक्षों के लिए विनाशकारी नतीजे होंगे।

- जैसे-जैसे इजरायल लेबनान में हिजबुल्लाह आतंकवादियों के खिलाफ अपने सैन्य अभियान को तेज कर रहा है, संयुक्त राज्य अमेरिका ने घोषणा की है कि वह इजरायल में एक मिसाइल रक्षा प्रणाली, टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस (THAAD) बैटरी तैनात करेगा।

THAAD मिसाइल प्रणाली के बारे में:

- यह एक मिसाइल रक्षा प्रणाली है जो छोटी, मध्यम और मध्यवर्ती दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों को उनकी उड़ान के अंतिम चरण के दौरान निशाना बनाकर नष्ट कर सकती है।

प्रमुख विशेषताऐं

- इसमें 'मारने के लिए प्रहार' करने की पद्धति है, जो मिसाइलों को उनके उतरते समय लक्ष्य क्षेत्र में प्रवेश करते ही नष्ट कर देती है।
- यह आने वाले परमाणु हथियारों को नष्ट करने के लिए गतिज ऊर्जा का उपयोग करता है।
- लक्ष्य सीमा: यह एक विस्तृत क्षेत्र को कवर कर सकता है तथा 150-200 किलोमीटर (93-124 मील) की दूरी पर स्थित लक्ष्यों पर निशाना साध सकता है।

THAAD का विकास

- इसे 1991 में फारस की खाड़ी युद्ध के दौरान इराक के स्कड मिसाइल हमलों के अनुभव के बाद अमेरिका द्वारा विकसित किया गया था ।
- 2008 में, अमेरिका ने THAAD सिस्टम का एक हिस्सा, एक प्रारंभिक मिसाइल चेतावनी रडार को इजराइल में तैनात किया। 2012 और 2019 में भी इसी तरह की तैनाती की गई, जिससे इजराइल को एक सैन्य शक्ति के रूप में उभरने में मदद मिली

प्रारंभिक परीक्षा के संभावित प्रश्न (Prelims Expected Question)

प्रश्न: टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस (THAAD) के संदर्भ में सत्य नहीं है?

(a) यह एक मिसाइल रक्षा प्रणाली है।
(b) यह 150-200 किलोमीटर की दूरी पर स्थित लक्ष्यों पर निशाना साध सकता है।
(c) इसे इजरायल द्वारा विकसित किया गया है।
(d) 2008 में, इस सिस्टम का एक हिस्सा इजराइल में तैनात किया गया था।

Que. Which is not true in the context of Terminal High Altitude Area Defense (THAAD)?

(a) It is a missile defense system.
(b) It can hit targets located at a distance of 150-200 kilometers.
(c) It has been developed by Israel.
(d) In 2008, a part of this system was deployed in Israel.

उत्तर : C

मुख्य परीक्षा के संभावित प्रश्न व प्रारूप (Expected Question & Format)

प्रश्न: पश्चिम एशिया के हालिया संघर्ष में अमेरिका के शामिल होने के क्या परिणाम होंगे? चर्चा करें।

उत्तर का दृष्टिकोण :

- उत्तर के पहले भाग में पश्चिम एशिया के हालिया संघर्ष की चर्चा करें।
- दूसरे भाग में पश्चिम एशिया के हालिया संघर्ष में अमेरिका के शामिल होने के क्या परिणाम होंगे इसकी चर्चा कीजिए।
- अंत में आगे की राह देते हुए निष्कर्ष दें।

नोट : अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रखकर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।